भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2450
दिनांक 13 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए

पोषण 2.0 का कार्यान्वयन

2450. डॉ. कलानिधि वीरास्वामी:

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने मिशन पोषण 2.0 के कार्यान्वयन में प्रगति की समीक्षा की है, जिसमें देश भर में आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली पोषण सेवाओं और पूरक पोषण की उपलब्धता और समय पर वितरण शामिल है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान विशेषकर तमिलनाडु में पंजीकृत लाभार्थियों की संख्या कितनी है, वितरित आपूर्ति में यदि कोई अंतर है तो कितना अंतर है;
(ग) वास्तविक समय पर निगरानी सुनिश्चित करने, लीकेज को कम करने और पोषण सेवाओं की अंतिम छोर तक डिलीवरी में सुधार लाने में पोषण ट्रैकर ऐप की कार्यप्रणाली और प्रभावशीलता का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या कार्यक्रम के अंतर्गत पूरक पोषण अथवा संबंधित सेवाओं की आपूर्ति में कमी अथवा विलंब हुआ है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) आगामी वित्तीय वर्ष में अवसंरचना सुदृढ़ीकरण, आपूर्ति श्रृंखला को मज़बूत करने, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण सुनिश्चित करने तथा मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत परिणामों में सुधार हेतु सरकार द्वारा कौन-कौन से कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (ङ): मंत्रालय ने मार्च 2021 में मिशन पोषण 2.0 के तहत सभी आंगनवाड़ी केंद्रों, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों और लाभार्थियों की निगरानी और ट्रैकिंग के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में 'पोषण ट्रैकर' एप्लिकेशन शुरू किया। इसने आंगनवाड़ी सेवाओं जैसे कि आंगनवाड़ी केंद्रों का खुलना, बच्चों की दैनिक उपस्थिति, ईसीसीई गतिविधियां, बच्चों की वृद्धि की निगरानी, पका हुआ गर्म भोजन (एचसीएम) और टेक होम राशन (टीएचआर) का प्रावधान, वृद्धि माप इत्यादि के लिए लगभग तत्समय डेटा संग्रह की सुविधा प्रदान की है। पोषण ट्रैकर ऐप ने मंत्रालय को विभिन्न मापदंडों पर इस योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा करने और आवश्यक सुधार करने में समर्थ बनाया है। सेवा प्रदायगी की अंतिम लाभार्थी तक ट्रैकिंग के लिए, टेक होम राशन के वितरण के लिए पोषण ट्रैकर ऐप में चेहरे की पहचान

प्रणाली शुरू की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लाभ केवल पोषण ट्रैकर में पंजीकृत लक्षित लाभार्थी को ही मिले। तमिलनाडु सहित सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में पंजीकृत लाभार्थियों का विवरण, आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रदान की जाने वाली सेवाओं और पूरक पोषण प्रदायगी से संबंधित जानकारी पोषण ट्रैकर डैशबोर्ड: https://www.poshantracker.in/statistics पर उपलब्ध है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पूरक पोषण या संबंधित सेवाओं के वितरण में कोई कमी या देरी नहीं हुई है।

मिशन पोषण 2.0 के तहत बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की क्षमता निर्माण सुनिश्चित करने और परिणामों में सुधार लाने के लिए उठाए गए कुछ कदम निम्नलिखित हैं:

- मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के साथ तालमेल करके, 5 वर्षों (2021 से 2026) की अवधि में प्रति वर्ष 10,000 आंगनवाड़ी केंद्रों की दर से 50,000 आंगनवाड़ी केंद्रों के भवनों के निर्माण का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, 02.02.2026 तक कुल 1,00,333 आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में उन्नयन किया जा चुका है।
- प्रधानमंत्री जनमन (प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान) के तहत, देशभर में कुल 2500 आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण को स्वीकृति दी गई है। इनमें से 178 आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण को विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) वाले क्षेत्रों में स्वीकृत किया गया है।
- जनजातीय मामलें मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया धरती आबा जनजाति ग्राम उन्नत अभियान लगभग 63843 गांवों में समन्वय, पहुंच और सेचुरेशन पर केंद्रित है। इसके तहत, 875 आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण को स्वीकृति दी गई है, जिनमें से 639 आंगनवाड़ी केंद्र कार्यशील हो गए हैं और इनमें 34,936 लाभार्थी पंजीकृत हैं।
- पूरक पोषण प्रदायगी में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पोषण ट्रैकर के माध्यम से गुणवत्ता आश्वासन, कर्तव्य धारकों की भूमिका और उत्तरदायित्व, खरीद प्रक्रिया, आयुष अवधारणाओं का एकीकरण और डेटा प्रबंधन और निगरानी के संबंध में व्यवस्थित दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। पूरक पोषण के अंतर्गत खाद्य पदार्थों की पोषण स्थिति और गुणवत्ता मानकों की निगरानी राज्य, जिला और ग्राम स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में की जा रही है।
- पोषण भी पढ़ाई भी (पीबीपीबी) पहल के तहत, मंत्रालय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सभी अधिकारियों और क्षेत्रीय कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यह प्रशिक्षण एक क्रमबद्ध मॉडल पर आधारित है, जिसमें मास्टर ट्रेनर (जिला अधिकारी, ब्लॉक समन्वयक और पर्यवेक्षक) को प्रशिक्षित किया जाता है और ये मास्टर ट्रेनर आगे फील्ड में सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षित करते हैं। 3 फरवरी 2026 तक, देश भर में 10,05,756 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

****